कृषि विज्ञान

कक्षा 11

कक्षा 11

कृषि विज्ञान

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

कृषि विज्ञान

कक्षा – 11

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्य पुस्तक निर्माण समिति

पुस्तक–कृषि विज्ञान – कक्षा – 11

संयोजक :– डॉ. राजेन्द्र सिंह, वरिष्ठ व्याख्याता, उद्यान विज्ञान
राजकीय महाविद्यालय, उनियारा, टोंक

लेखकगण :–

1. डॉ. नरेन्द्र कुमार पारीक, सहायक आचार्य, सस्य विज्ञान
कृषि अनुसंधान केन्द्र, स्वामी केशवानंद, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

2. डॉ. बृजगोपाल छीपा, सहायक आचार्य, उद्यान विज्ञान
कृषि विज्ञान केन्द्र, भीलवाड़ा महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, उदयपुर

3. गजेन्द्र सिंह राणावत, प्रधानाचार्य
राजकीय उच्च मा. विद्यालय, कोरटा, पाली

4. अखिलेश कुमार, प्रधानाचार्य
शहीद भैरोंसिंह राजकीय उच्च मा. विद्यालय, अलीपुर, (वैर)
भरतपुर

भूमिका

प्रस्तुत पुस्तक कृषि विज्ञान कक्षा–11 कृषि वर्ग के विद्यार्थियों के लिये माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की कृषि विज्ञान की पाठ्यक्रम समिति के द्वारा नवीन पाठ्यक्रमानुसार की गई है। इस पुस्तक में अध्ययन सामग्री को विभिन्न इकाइयों, अध्यायों, एवं शीर्षकों में विभाजित किया गया है। इकाई प्रथम में भारतीय कृषि का इतिहास, मौसम एवं जलवायु, मृदा, पोषक तत्व एवं उर्वरक, सिंचाई एवं जल निकास, कृषि यंत्रों की जानकारी, इकाई–2 में फल, सब्जियों का मानव आहार में महत्व, सब्जियों का वर्गीकरण, पौधशाला, सब्जियों की खेती, अलंकृत बागवानी, फूलों की खेती, औषधीय पौधों की जानकारी एवं इकाई–3 में भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन का महत्व, पशुओं की आयु एवं भार ज्ञात करना, सामान्य प्रबंध, पशुपोषण, पशुस्वास्थ्य, पशुओं के लिये सामान्य औषधियाँ, मुर्गी पालन के संबन्ध में प्रचलित एवं नवीनतम जानकारी प्रस्तुत की गई है, जिससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। इस पुस्तक में तकनीकी शब्दों को तकनीकी शब्दावली के अनुसार लिया गया है। इस पुस्तक के लेखन में कक्षा–11 के विद्यार्थियों के स्तर का ध्यान रखा गया है। चित्रों एवं तालिकाओं का समावेश करके विषय अध्ययन को सरल एवं सुग्राह्य बना दिया गया है। प्रत्येक अध्याय के अन्त में महत्वपूर्ण बिन्दु के रूप में विषय से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सामग्री को दिया गया है, साथ ही पर्याप्त संख्या में बहुचयनात्मक, अतिलघूत्तरात्मक, लघूत्तरात्मक तथा निबंधात्मक प्रश्न दिये गये हैं।

पुस्तक के लेखन एवं मुद्रण में पूर्ण सावधानी रखी गई है फिर भी त्रुटियों का रहना सम्भव है अतः सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक बंधुओं के बहुमूल्य सुझाव इस पुस्तक में निरन्तर सुधार हेतु सहर्ष आमंत्रित हैं।

– संयोजक एवं लेखकगण

अनुक्रमणिका

खण्ड–अ (सैद्धांतिक)

अध्याय		पृष्ठ संख्या
इकाई–1		
1.	भारतीय कृषि का इतिहास, शाखाएँ, महत्व एवं क्षेत्र	1–5
2.	मौसम एवं जलवायु	6–20
3.	मृदा	21–36
4.	पोषक तत्व एवं उर्वरक	37–56
5.	सिंचाई एवं जल निकास	57–67
6.	कृषि यन्त्रों की सामान्य जानकारी	68–77
इकाई–2		
7.	फल एवं सब्जियों का मानव आहार में महत्व	78–81
8.	सब्जियों का वर्गीकरण	82–87
9.	पौधशाला	88–95
10.	सब्जियों की खेती	96–115
11.	अलंकृत बागवानी	116–130
12.	फूलों की खेती	131–140
13.	औषधीय पौधों की सामान्य जानकारी एवं उपयोगिता	141–145
इकाई–3		
14.	भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन का महत्व	146–149
15.	पशुओं की आयु एवं भार ज्ञात करना	150–154
16.	सामान्य प्रबन्ध	155–162
17.	पशुपोषण	163–170
18.	पशु स्वास्थ्य	171–183
19.	पशुओं के लिए सामान औषधियाँ एवं उपयोग	184–189
20.	मुर्गी पालन	190–205
	परिशिष्ट	206–207

खण्ड–ब (प्रायोगिक)

अध्याय		पृष्ठ संख्या
इकाई–1		
1.	मौसम विज्ञान के यंत्रों का प्रारम्भिक ज्ञान एवं प्रयोग विधि।	209–213
2.	मृदा नमी ज्ञात करना।	214–215
3.	मृदा नमूना एकत्र करना।	216–217
4.	आर.डी. बोतल से मृदा रन्ध्रावकाश की गणना करना।	218–220
5.	मृदा कणाकार (छलनी द्वारा) ज्ञात करना।	221–222
6.	खाद एवं उर्वरकों की पहचान एवं प्रयोगविधि।	223–225
इकाई–2		
7.	बागवानी व कृषि यंत्रों, उपकरणों की जानकारी एवं उपयोग।	226–227
8.	सब्जियों के बीज एवं पौधों की पहचान।	228
9.	पौधशाला हेतु क्यारियाँ तैयार करना।	229
10.	अलंकृत वृक्षों एवं पौधों की पहचान।	230–231
11.	गमला भरना, पौधे लगाना एवं गमला बदलना।	232–233
इकाई–3		
12.	गाय, भैंस, भेड़, बकरी, ऊँट एवं मुर्गी के बाह्य अंगों का अध्ययन।	234–240
13.	पशुओं की आयु ज्ञात करना (दाँत एवं सींगों द्वारा)।	241–243
14.	शेफर सूत्र द्वारा पशु का भार ज्ञात करना।	244–245
15.	दुधारू पशुओं (गाय, भैंस) का दैनिक आहार निर्धारण करना।	246–251
16.	पशुओं को खुरखुरा करना एवं नहलाना।	252–253
	परिशिष्ट	254–272